

VASISHTHA GENESIS SCHOOL, BARDOLI
(Academic Session 2026-27)

Date: _____ **Class:** VI **Div:** B/C **Roll No:** _____ **Sub:** 3L Hindi
Name: _____ **Worksheet:** H.Y.EXAM अनुच्छेद-लेखन w.s.1

विद्यालय में खाने की छुट्टी

विद्यालय में खाने की छुट्टी का समय सभी बच्चों को बहुत अच्छा लगता है। जैसे ही घंटी बजती है, बच्चे अपनी-अपनी कक्षा से बाहर निकल आते हैं। कुछ बच्चे मैदान में, तो कुछ बरामदे में बैठकर अपना टिफिन खोलते हैं। सभी बच्चे अपने मित्रों के साथ मिलकर खाना खाते हैं और आपस में बातें करते हैं। कोई अपने टिफिन में परांठे, कोई इडली, पोहा, पुलाव या फल लेकर आता है। कई बार बच्चे अपने मित्रों के साथ टिफिन भी बाँटकर खाते हैं। इससे उनमें प्रेम और आपसी सहयोग की भावना बढ़ती है। कुछ बच्चे खाना खाने के बाद खेलते हैं, जबकि कुछ अपनी कक्षा में बैठकर आराम करते हैं। शिक्षक भी बच्चों पर ध्यान रखते हैं और उन्हें भोजन को व्यर्थ न करने तथा हाथ धोकर खाना खाने की सीख देते हैं। छुट्टी समाप्त होने पर फिर से घंटी बजती है और सभी बच्चे अपनी-अपनी कक्षा में चले जाते हैं। खाने की छुट्टी बच्चों को नई ऊर्जा देती है और वे उत्साहपूर्वक अपनी अगली कक्षा में भाग लेते हैं।

मेरा प्रिय त्योहार

मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है। दीपावली भारत का प्रसिद्ध और खुशियों से भरा त्योहार है। इसे दीपों का त्योहार भी कहा जाता है। यह त्योहार भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। दीपावली से पहले लोग अपने घरों की अच्छी तरह सफाई करते हैं और उन्हें रंग-बिरंगी सजावट से सजाते हैं। लोग अपने घरों के बाहर सुंदर रंगोली बनाते हैं और शाम को मिट्टी के दीये जलाते हैं। इस दिन सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हैं। घरों में मिठाइयाँ और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। बच्चे इस त्योहार का बहुत उत्साह से इंतजार करते हैं। वे अपने परिवार के साथ पूजा करते हैं और मिठाइयाँ खाते हैं। दीपावली हमें अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। हमें इस त्योहार पर पटाखों से होने वाले धुएँ और शोर से बचना चाहिए तथा पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए। मुझे दीपावली का त्योहार बहुत पसंद है, क्योंकि यह हमारे जीवन में प्रेम, प्रकाश और खुशियाँ लेकर आता है।

मेरी पहली बस यात्रा

मेरी पहली बस यात्रा मेरे जीवन की एक बहुत ही रोमांचक और यादगार यात्रा थी। गर्मी की छुट्टियों में मैं अपने माता-पिता के साथ अपने ननिहाल जाने वाला/वाली था। हम सुबह जल्दी तैयार होकर बस अड्डे पर पहुँचे। वहाँ बहुत चहल-पहल थी। लोग अपनी-अपनी बसों का इंतजार कर रहे थे। कुछ देर बाद हमारी बस आई। हम बस में चढ़े और खिड़की के पास अपनी सीट पर बैठ गए। बस के चलने पर मुझे बहुत खुशी हुई और मन में एक अलग ही उत्साह था। मैंने खिड़की से बाहर देखा तो सड़क के दोनों ओर हरे-भरे पेड़, खेत और छोटे-छोटे गाँव दिखाई दे रहे थे। कहीं किसान खेतों में काम कर रहे थे और कहीं बच्चे खेल रहे थे। रास्ते में सुंदर पहाड़ियाँ, तालाब और रंग-बिरंगे फूल भी दिखाई दिए। ठंडी हवा मेरे चेहरे से टकरा रही थी। मैंने रास्ते के सुंदर दृश्यों का आनंद लिया। रास्ते में बस कुछ समय के लिए रुकी। हमने वहाँ पानी पिया और नाश्ता किया। कुछ घंटों बाद हम पहुँच गए। वहाँ नाना-नानी हमें देखकर बहुत खुश हुए। मेरी पहली बस यात्रा ने मुझे बहुत आनंद दिया।